प्रातः क्लास 7-1-68 ओमशान्ति पितश्री शिव बाबा याद है?

ओमशान्ति। मीठे2 रूहानी बच्चे क्या कर रहे हैं। युध के मैदान में खड़े हैं। खड़े तो नहीं हो तुम तो बैठे हो ना। तुम्हारी सेना कैसी अच्छी है। इनको कहा जाता है रूहानी बाप की रूहानी सेना। रूहानी बाप के साथ योग लगाकर रावण पर जीत पाने का कितना सहज पुरुषार्थ कराते हैं। तुमको कहा जाता है गुप्त वारियर्स। गुप्त महावीर। 5 विकार, उसमें भी पहले देह-अभिमान पर तुम विजय पहनते हो। बाप विश्व पर जीत पाने वा विश्व में शान्ति स्थापन करने लिये कितनी सहज युक्ति बताते हैं। तुम बच्चों के बिगर और कोई नहीं जानते। तुम विश्व पर शान्ति वा अपना शान्ति का राज्य स्थापन कर रहे हो। जहां अशान्ति दुःख, रोग का नाम निशान नहीं होता। पढ़ाई तुमको नई दुनिया का मालिक बनाती है। बाप कहते हैं मीठे2 बच्चों काम पर जीत पाने से तुम 21 जन्मों लिये जगत-जीत बनते हो। यह तो बहुत सहज है। तुम हो शिव बाबा की रूहानी सेना। राम की बात नहीं। कृष्ण कोभी बात नहीं है। राम कहा जाता है परमपिता परमात्मा को। बाकी वह जो राम आदि की सेना दिखाते हैं वह सभी है रांग। बन्दरों की सेना होती ही नहीं। यह सभी है भक्ति-मार्ग। बाप समझाते हैं ड्रामा के प्लेन अनुसार भक्ति-मार्ग में तुम मुझ बाप से बहुत ही दूर हो गये हो। कितने आरफन्स बन जाते हो। खास भारत और आम सारी दुनियानिधणके बन पड़ी हैं। विष के लिये कितना लड़ते-झगड़ते हैं। गायन भी है अमृत छोड़ विष काहे को खाया। अमृत तुमको इस समय ही मिलता है ज्ञान सागर से। गाया जाता है ज्ञान सूर्य प्रगटा अज्ञान अंधेर विनाशा। कलियुग घोर अंधियारा है। कितने लड़ाई-झगड़े मारा-मारी है। सतयुग में यह होते ही नहीं। तुम अपना राज्य देखो कैसे स्थापन करते हो। कोई भी हाथ-पांव इस में नहीं चलाते हो। इसमें देह का भान तोड़ना है। घर में रहते हो तो भी पहले2 यह याद करो हम आत्मा हैं। देह नहीं। तुम आत्मा ने ही 84 जन्म भोगे हैं। अभी तुम्हारा यह अन्तिम जन्म है। पुरानी दुनिया अभी खत्म होनी है। इसको कहा जाता है पुरुषोत्तम संगम युग का लीप युग। चोटी छोटी होती है ना। ब्राह्मणों की चोटी मशहूर है। बाप कितना सहज समझाते हैं। तुम हर 5000वर्ष आफ्टर बाप से यह पढ़ते हो राजाई प्राप्त करने लिये। एमआबजेक्ट भी सामने है। शिव बाबा हमको यह बनाते हैं। हां बच्चों क्यों नहीं। सिर्फ देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझो मुझ बाप को याद करो तो पाप कट जायें। तुम जानते हो इस जन्म में पावन बनने से हम 21 जन्म पूज्यात्मा बनते हैं। सतयुग त्रेता में पूरे 21 जन्म लेते हैं फिर उतराई शुरू हो जाती है। यह भी जानते हो हमारा हो 84 का चक्र है। सारी दुनिया तो पढ़ने नहीं आवेगी। सतयुग और त्रेता बाप ही स्थापन करते हैं। जो फिर अभी कर रहे हैं। फिर द्वापर कलियुग रावण की स्थापना है। रावण का चित्र भी है ना। ऊपर में गदहे का सीस है। विकारी शूद्र बन जाते हैं। तुम समझते भी हो कि हम क्या थे। बाप बिगर हम कितने गंदे बन गये हैं। कहा ही जाता है डर्टी ब्रूटस। छी छी विकारी बन जाते हैं। इनको भूत पीना कहो, विष्टा खाना कहो एक ही बात है। कहते हैं ना असंख्य चोर हराम खोर ... यह है ही पापात्माओं की दुनिया। पापात्माओं की दुनिया में 500करोड़आदमी हैं। पूज्यात्माओं की दुनिया में होते हैं नव लाख शुरू में। तुम अभी सारे विश्व के मालिक बनते हो। यह (ल०ना) विश्व के मालिक थे ना। स्वर्ग की बादशाही तो जरूर बाप ही देंगे। बाप कहते हैं मैं तुमको विश्व की बादशाही देने आता हूं। अभी पावन जरूर बनना पड़े। सो भी यह एक अन्तिम जन्म मृत्युलोक का पवित्र बनो। इस पुरानी दुनिया का विनाश सामने तैयार है। बम्स आदि सभी ऐसे तैयार कर रहे हैं जो वहां घर बैठे ही खलास कर देंगे। कहते भी हैं घर बैठे ही पुरानी दुनिया का विनाश कर देंगे। यह बम्स आदि घर बैठे ऐसे छोड़ेंगे जो सारी दुनिया को खत्म कर देंगे। तुम भी घर बैठे योगबल से विश्व के मालिक बन जाते हो। तुम शान्ति स्थापन कर रहे हो योगबल से। वह सायंस बल से सारी दुनिया को खलास कर देते हैं। तुम तुम्हारे सर्वेन्ट हैं। तुम्हारी सर्विस कर रहे हैं। तुमको पुरानी दुनिया खत्म कर के देंगे। नेचरल कैलेमिटिज आदि भी तुम्हारे गुलाम बनते हैं। सारी प्रकृति तुम्हारी गुलाम बन जाती है। सिर्फ तुम बाप से योग लगाते हो तो। तो तुम बच्चों को —

अन्दर में बड़ी खुशी होनी चाहिए। ऐसे मोस्ट बिलवेड बाप को कितना याद करना चाहिए। यही भारत पूरा शिवालय था। भारत खास सुप्रीम आत्मा। अभी इनको कहा जाता है देवालय। क्योंकि विकारी हैं। खास भारत दुनिया आम। तो लज्जा आनी चाहिए ना। सतयुग में है सम्पूर्ण निर्विकारी। यहां हैं विकारी। परन्तु यह बन्दर लोग समझते ही नहीं हैं। कहते हैं तुम तो जैसे बन्दर हो। यह भी समझाया है राम शिव को कहा जाता है। रामराम जब जपते हैं तो तो वह त्रेता वाले राम को नहीं याद करते। माला में ऊपर में फूल भी दिखाते हैं वह निराकार है। उनको ही याद करना है। बाकी राम ने बन्दर सेना ली यह हुआ। ऐसी कोई बात है नहीं। क्रिश्चन लोग जब ऐसी ऐसी बातें सुनते हैं तो हंसी उड़ाते हैं यह तो मैड चैप्स हैं। राम की सीता चुराई गई-कृष्ण को इतनी रानियां थी। कितनी दोष रखते हैं। अभी तुमको स्मृति आई है बराबर हम भी बन्दर थे। अभी बाप ने कहा है हियर नो ईविल . . . गंदी बातें मत सुनो। मुख से बोलो भी नहीं। बाप समझाते हैं तुम कितने डर्टी बन गये हो। तुम्हारे पास तो अकीचर धन था। तुम स्वर्ग के मालिक थे। अभी तुम स्वर्ग के बदली नर्क के मालिक बन गये हो। यह भी ड्रामा बना हुआ है। हर 5000 वर्ष बाद हम तुमको वैश्यालय रौरव नर्क से निकाल स्वर्ग में ले जाता हूं। रूहानी बच्चो क्या तुम मेरी बात नहीं मानोगे। परमात्मा कहते हैं पवित्र बनो, तुम पवित्र दुनिया के मालिक बनो। तो क्या नहीं बनेंगे। एक जन्म के लिये तुम सारी अपनी राजाई गंवाते हो। बाकी आठ वर्ष है। विनाश तो जरूर होगा। इस योग बल से ही तुम्हारे जन्म जन्मान्तर के पाप भस्म होंगे। जन्म-जन्मान्तर के पाप कटने टैटाईम लगता है। बच्चे शुरू से आये हुए हैं 10% भी योग नहीं लगता। इसलिये पाप कटते ही नहीं। नये2 झट योगी बन जाते हैं तो पाप कटजाते हैं और सर्विस करने लग पड़ते हैं। तुम बच्चे समझते हो अभी हमको वासलेस बनना है। हमको वापस जाना है। बाप आया हुआ है ले जाने। पापात्मायें तो शान्तिधाम सुखधाम जा न सकें। वह तो रहते ही हैं दुःखधाम में। इसलिये अभी बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम्हारे पाप भस्म हो जावेंगे। और बच्चे गुल2 हो जाओ। देवीकुल का कलंक न लगाओ। तुम भिखारी बनने कारण कितने दुःखी हो गये हो। यह भी ड्रामा का खेल बना हुआ है। पवित्र न बनेंगे तो पवित्र दुनिया स्वर्ग में नहीं आवेंगे। भारत स्वर्गवासी था, कृष्ण पुरी में था। अभी नर्कवासी है। तुम बच्चों को तो बड़ा ही खुशी से विकारों को छोड़ना चाहिए। भूत पीना फट से छोड़ना है। भूत पीते2 तुम वैकुण्ठ में थोड़े ही जा सकेंगे। अभी यह बनने लिये तुमको पवित्र बनना है। तुम समझ सकते हो इन्हों ने यह राजाई कैसे प्राप्त की। राजयोग से। यह पढ़ाई है ना। जैसे बैरीस्टरी योग, सर्जन योग होता है। सर्जन से योगखाकर सर्जन बनेंगे। यह फिर है भगवानुवाच। रथ में कैसे प्रवेश करते हैं। कहते हैं बहुत जन्मों के अन्त में मैं इनमें बैठ बच्चों को नालेज देता हूं। जानता हूं यह विश्व का मालिक, पवित्र था। अभी अपवित्र कंगाल बने हैं फिर पहले नम्बर में यह जावेंगे। इस में ही प्रवेश कर तुम बच्चों को नालेज देते हैं। वेद का बाप कहते हैं बच्चे पवित्र बनो तो तुम सदा खुशी बनेंगे। सतयुग है अमरलोक। द्वापर कलियुग है मृत्युलोक। कितना अच्छी रीति बच्चों को समझाते हैं। यहां देहीअभिमानी बनते हैं फिर देह-अभिमान में आकर माया से हार लेते हैं। माया की एक ही तोप ऐसी लगती है जो एकदम गटर में गिर पड़ते हैं। बाबा सिन्ध में भी वाणी चलाते थे तुमको यह भूत अच्छा लगता है तो गटर में ही पड़े रहो। मनुष्यों को इससे बड़ा दुःख आता है। बाप कहते हैं यह गटर है। यह कोई सुख थोड़ेही है। स्वर्ग तो फिर क्या। इन के देवताओं के रहनी करनी देखो कैसी है। नाम ही है हैविन। स्वर्ग। तुमको स्वर्ग का मालिक बनाते हैं। फिर भी कहते हैं हम भूत जरूर पीयेंगे। तो पड़े रहो गटर में। फिर आनाभी नर्क में। स्वर्ग में आ न सकोगे। सजा भी बहुत खावेंगे। तुम बच्चों को माया से युध है। देहअभिमान में आकर बहुत छी छी काम करते हैं। समझते हैं हमको कोई देखता थोड़ेही है। क्रोध लोभ तो प्राईवेट नहीं होता। काम में प्राईवेसी चलती है। दरवाजा बन्द कर काला मुंह करते हैं। काला मुंह कर2 कृष्ण की आत्मा 84 जन्मों बाद काले बन गये हैं। गोरे से सांवरा बनना है। तो

सारी दुनिया ही उनके पिछाड़ी आ गई। द्वापर से लेकर गिरते2 काले बन्दर बन गये हैं। यानि कलयुग ऐसी है। ऐसी पतित दुनिया को बदलना भी जरूर है। बाप कहते हैं तुमको शर्म नहीं आता। एक जन्म के लिये पवित्र नहीं बनसकते हो। भगवानुवाच काम महाशत्रु है। वास्तव में तुम स्वर्गवासी थे तो बहुत धनवान थे। बाप बत पूछो। बच्चे कहते भी हैं बाबा चलो। क्यो कांटों के जंगल में बन्दरों को देखने चलें। नहीं। अभी तो चलना ही नहीं है। बन्दरों को देखकर माथा ही पता नहीं क्या हो जाता है। तुम बच्चों को तो ड्रामा अनुसार सर्विस करनी ही है। गाया जाता है ना फादर शोज सन। बच्चों को ही जाकर सभी का कल्याण करना है। बाप को तो कहां जाना न है। कहां भी जाने दिल नहीं होती है। शिव बाबा इसके रथ में बहुत ही भटका ज्ञान देने लिये। अभी नहीं भटकेंगे। बाप बच्चों को समझाते हैं यह भूलो मत। हम युध के मैदान में हैं। तुम्हारी युध है 5विकारों साथ। यह ज्ञानमार्ग बिल्कुल अलग है। भक्ति है अज्ञान मार्ग। गिरते2 जाकर नर्क में पड़े हैं। अभी बाप कहते हैं मैं तुमको स्वर्ग का मालिक बनाता हूं 2। जन्मों के लिये। फिर तुमको नर्कवासी कौन बनाते हैं? रावण। फर्क तो देखते हो ना। जन्म जन्मान्तर तुमने भक्ति मार्ग के गुरु किये हैं। प्राप्ति कुछ भी नहीं। इनको कहा जाता है सद्गुरु। सिख लोग कहते हैं ना सद्गुरु अकाल ... इनको कब कोई काल नहीं खाता। वह सद्गुरु तो कालों का काल है। बाप कहते हैं मैं तुम सभी बच्चों को काल के पंजों से छुड़ाने आया हूं। सतयुग में फिर काल आता ही नहीं। उनको अकालीक कहा जाता है। अभी तुम श्रीमत पर अकालीक सतयुग के मालिक बन रहे हो। तुम्हारी लड़ाई देखो कैसी है। सारी दुनिया एक दो में लड़ते झगड़ते हैं। तुम्हारी फिर है रावण 5विकारों साथ युध। उन पर तुम जीत पाते हो। यह है अन्तिम जन्म। मनुष्य समझते हैं यह ब्रह्माकुमारियां गपोड़ा मारती रहती हैं। एक कहानी भी है ना। एक ने कहा शेर रे शेर। परन्तु शेर आया नहीं। दो चार बारी ऐसे हुआ। तो समझा शेर आवेगा ही नहीं। तो एक दिन आ ही गया। यह भी ऐसे समझते हैं ब्रह्माकुमारियां गपोड़ा मारतीहैं। आखीर एक दिन तो जैसे खत्म हो जावेगा। अभी कौरव सम्प्रदाय सभी आपने धंधे में हैं। उन्हों को फुर्सत ही कहां है। बाप कहते हैं मैं गरीब निवाज हूं। यहां आते भी गरीब ही हैं। साहुकारों की तकदीर में अभी नहीं हैं। धन के नशे में ही मगस रहते हैं। यह सभी खत्म हो जाने वाला है। बाकी आठ वर्ष हैं। ऐसे मत समझना आठ वर्ष से 9वर्ष हो जावेगा नहीं नहीं। और ही वर्ष हो जावेगा। परन्तु 9नहीं होंगे। ड्रामा का ऐसा प्लैन है ना। यह इतने बम्ब आदि बनाये हैं वह काम में जरूर लाने हैं। पहले तो लड़ाई बाणों से तलवारों से बन्दुकों से चलती थी। अभी तो बम्ब ऐसी चीज़ निकली है जो एक दे दो खलास कर देंगे। वह चीजें कोई रखने लिये थोड़े ही बनाते हैं। कहां तक रखेंगे। बाप आये हैं तो विनाश जरूर होना है। ड्रामा का चक्र फिरता रहता है। जब तक तुम्हारी राजाई जरूर स्थापन होनी है। यह ल0 ग0 तो कब लड़ाई नहीं करते। भल शास्त्रों में लिखा हुआ है असुरों और देवताओं की लड़ाई हुई। परन्तु वह सतयुग में असुर कलियुग के। दोनो मिलेंगे कैसे जो लड़ाई होंगी। अभी तुम समझते हो हम 5विकारों से युध कर रहे हैं। इन पर विजीत पाये सम्पूर्ण निर्विकारी बन हम निर्विकारी दुनिया के मालिक बन जावेंगे। उठते बैठते बाप को याद करना है। देवीगुण धारण करनी है। यह बना बनाया ड्रामा है। कोई2 के नसीब में नहीं हैं। योगबल हो तब विकर्म विनाश हो। सम्पूर्ण बने तब सम्पूर्ण दुनिया में आ सके। बाप यह शंख ध्वनी करते रहते हैं। उन्हों ने फिर भक्ति मार्ग में शंख वह तूतारे आदि वेद बनाये हैं। बाप जो इस मुख द्वारा समझाते हैं यह पढ़ाई है राजयोग की। बहुत ही सहज पढ़ाई है। बाप को याद करो और राजाई को याद करो। बेहद के बाप को पहचानो और राजाई लो। इस दुनिया को भूल जाओ। तुम बेहद के सन्यासी हो। जानते हो यह पुरानी दुनिया सारी खत्म हो जानी है। इन ल0ना0 के राज्य में सिर्फ भारत ही था। अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडमार्निंग। रूहानी मीठे2 बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।

.....